

श्री मुख्तार अब्बास नक़वी: उसके बावजूद, अगर किसी भी तरह का कोई और सुझाव माननीय सदस्यों के पास होगा, तो मैं उनसे बात करूँगा और उसको करेक्ट करूँगा, हम आपको विश्वास दिलाते हैं। ...**(व्यवधान)**... हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि सभी छात्रों को, जो कि जरूरतमंद हैं, उनको स्कॉलरशिप मिलनी चाहिए, उसमें अगर किसी भी स्तर पर कमी होगी, किसी अधिकारी के स्तर पर कमी होगी, उसको हम करेक्ट करेंगे और उसके खिलाफ कार्रवाई करेंगे। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति: ठीक है। एक बात प्रमोद तिवारी जी ने भी कही है। ...**(व्यवधान)**...

श्री मुख्तार अब्बास नक़वी: दूसरा विषय प्रमोद तिवारी जी का है। जो मुद्दा प्रमोद तिवारी जी ने उठाया है, वह निश्चित तौर से एक गंभीर मुद्दा है और हम इस संबंध में संबंधित मंत्रालय और मंत्री जी से कहेंगे कि वे इस पर आवश्यक कदम उठाएँ। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति: हां, इसको जरूर करना पड़ेगा। ...**(व्यवधान)**...

Need for eliminating all unmanned level crossings in the country

MS. DOLA SEN (West Bengal): Mr. Deputy Chairman, Sir, the tragic incident that happened day before yesterday morning shook us to our very core. Reports are still coming in, but, at least, seven children were killed and several others injured as their school mini-bus was hit by a train at an unmanned railway crossing in Auraiye, Bhadohi, in Uttar Pradesh. The mini-bus of Tender Heart School was carrying students up to 10 years of age was hit by the Varanasi-Allahabad passenger train. On March, 2016 the Minister of Railways reported that there were 10,440 unmanned level crossings in the country as on April, 2015.

In 2014, a PIL was filed in the Supreme Court of India seeking the elimination of all unmanned railway crossings and, in the meantime, to ensure the safety of the children on unmanned railway crossings. Yet, as we are witnessing today, accidents and deaths at unmanned level crossings still occur with alarming regularity. Kids with hopes and dreams in their eyes, with courage and ambition in their hearts, have been taken away from us in a cruel twist of fate.

From 2009 to 2014, almost 43 per cent of all railways accidents were at level crossings. Of the 16 Railway Zones, more than 35 per cent of the level crossings are unmanned. From August, 2015 to January, 2016, there were 15 accidents at level crossings, resulting in the death of 26 people. Studies have shown that increasing train speeds and rapid motorization of rural roads have increased the cases of accidents at unmanned level crossings. A number of these accidents involve buses, often involving school children, leading to a disproportionately high number of fatalities when compared to a number of accidents.

It is important to draw your attention to the fact that when Mamata Banerjee was the Railway Minister, due to her untiring and sustained work towards rail safety,

the index for train accidents decreased significantly from 0.29 per million train km. in 2004-05 to 0.17 in 2009-10. This was despite the increase in traffic from 16,021 trains per day to 18,820 trains per day. Under her leadership, 1,500 unmanned crossings were eliminated, 172 RoBs and 240 RuBs/subways were constructed. On the contrary, the Government's Railway Budget in 2015 had envisioned the target of eliminating 3,438 level crossings by 2016. However, only 350 manned level crossings and 1,000 unmanned level crossings were eliminated. ...(*Time-bell rings*)... Thank you.

SHRI TIRUCHI SIVA (Tamil Nadu): Sir, I associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI RANVIJAY SINGH JUDEV (Chhattisgarh): Sir, I also associate myself with the issue raised by my colleague.

Concern over spread of Sickie Cell Anaemia among tribals

श्री दिलीप कुमार तिकी (ओडिशा): महोदय, मैं सदन और सरकार का ध्यान लगभग 10 करोड़ की आबादी वाले ट्राइबल समुदाय के स्वास्थ्य से जुड़े एक अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दे की ओर दिलाना चाहता हूँ। सर, "सिकल सेल एनीमिया" नाम की एक जेनेटिक बीमारी है, जिससे देश में अधिकतर ट्राइबल समुदाय के लोग पीड़ित हो रहे हैं। "सिकल सेल एनीमिया" में इंसान की रीढ़ के ब्लड सेल्स का आकार बिगड़ जाता है और इससे पीड़ित व्यक्ति हमेशा अस्वस्थ रहता है। इस बीमारी के कारण औसत उम्र भी घट जाती है। साइंटिफिक रिसर्च में इस बीमारी के लिए जीन के साथ-साथ कुपोषण को भी जिम्मेदार बताया गया है। सब से दुख की बात यह है कि Sickie Cell Anaemia के लिए अभी तक कोई इलाज नहीं खोजा जा सका है। अगर माता-पिता दोनों Sickie Cell Anaemia से ग्रस्त हैं, तो बच्चे की भी इस बीमारी से ग्रस्त होने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए यह जरूरी है कि इस रोग से बचाव के लिए ट्राइबल समुदाय में पूरी जागरूकता हो और सभी बच्चों की सही ढंग से screening की जाए। कुछ राज्यों में नवजात ट्राइबल बच्चों की स्क्रीनिंग की सुविधा है, लेकिन जरूरत इस बात की है कि राष्ट्रीय स्तर पर इस काम को शुरू किया जाए। इसके लिए मेरा सरकार से अनुरोध है कि National Tribal Health Policy बनायी जाए, जिस में ट्राइबल बच्चों की health screening के साथ-साथ उनके समुचित पोषण का भी प्रावधान हो। इस के साथ-साथ Sickie Cell Anaemia के बारे में ट्राइबल समुदाय में जागरूकता फैलाने का काम भी जोरदार ढंग से कराया जाना चाहिए।

मेरा सरकार से यह भी अनुरोध है कि National level programme के तहत पहले इस बात का पता लगाया जाना चाहिए कि कितने ट्राइबल लोग वर्तमान में Sickie Cell Anaemia से प्रभावित हैं और जो इस बीमारी से पीड़ित हैं, उन्हें medical health service और counselling दिए जाने की भी स्कीम बनायी जानी चाहिए। इन बातों के अलावा इस बीमारी के इलाज के लिए कारगर उपाय खोजे जाने पर प्राथमिकता से ध्यान देकर इस दिशा में उचित research को बढ़ावा दिया जाए। धन्यवाद।

SHRI D. RAJA (Tamil Nadu): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.